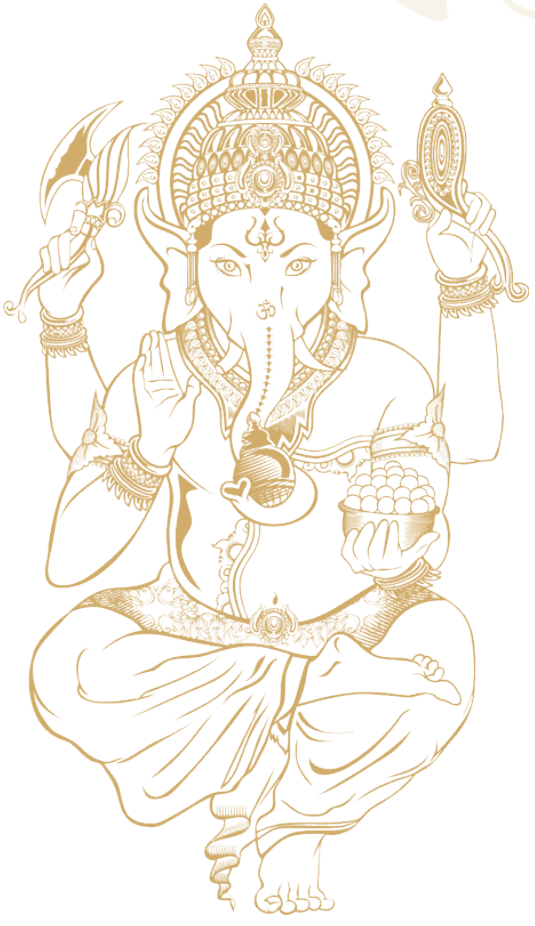

Rajinder Singh

01 Sep 1992

01:35 AM

Pathankot

Model: web-freekundliweb

Order No: 119862107

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31-01/09/1992**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**01:35:00 घंटे**
इष्ट	48:53:33 घटी
स्थान	**Pathankot**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	32:16:00 उत्तर
रेखांश	75:43:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:07:52 घंटे
वेलान्तर	-00:00:17 घंटे
साम्पातिक काल	23:48:50 घंटे
सूर्योदय	06:01:34 घंटे
सूर्यास्त	18:52:37 घंटे
दिनमान	12:51:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	14:53:28 सिंह
लग्न के अंश	17:55:30 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ब्रह्म
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:55:30	313:57:03	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			सिंह	14:53:28	00:58:05	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			तुला	06:30:06	14:04:15	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
मंगल			वृष	29:31:35	00:36:16	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
बुध			सिंह	01:36:44	01:48:39	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			सिंह	27:41:50	00:12:49	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	06:26:31	01:13:42	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	नीच राशि
शनि	व		मक	19:38:24	00:03:49	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	स्वराशि
राहु	व		धनु	04:02:41	00:05:47	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	नीच राशि
केतु	व		मिथु	04:02:41	00:05:47	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	20:29:09	00:01:04	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
नेप	व		धनु	22:36:48	00:00:50	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	26:40:35	00:01:04	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	03:12:11	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:34

लग्न-चलित

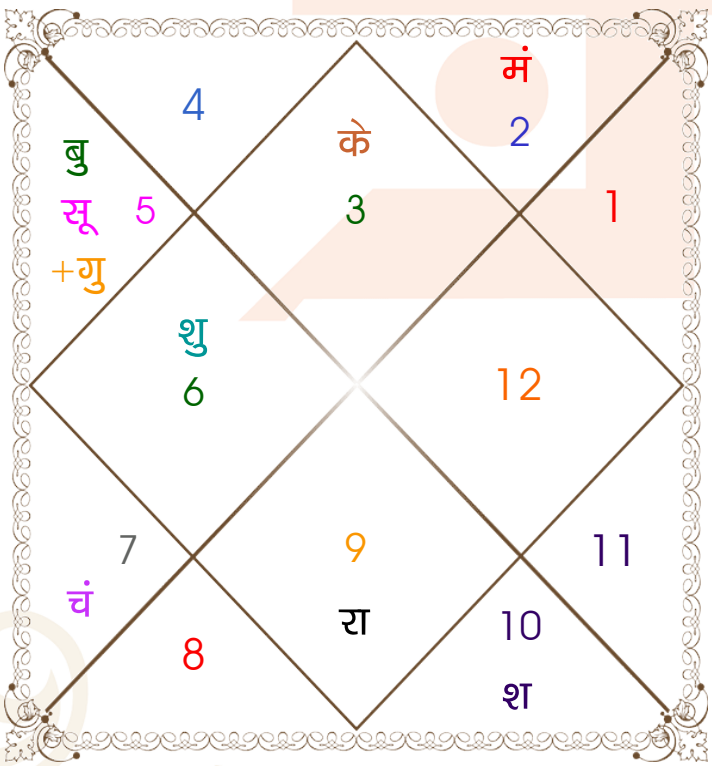

चन्द्र कुंडली

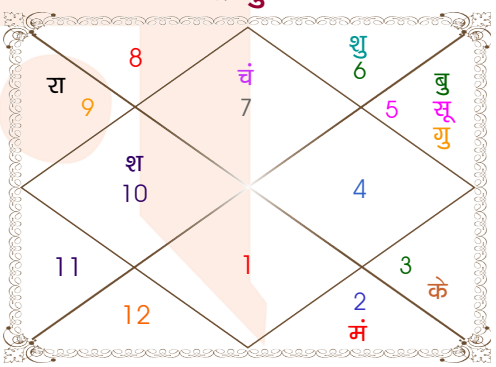

नवमांश कुंडली

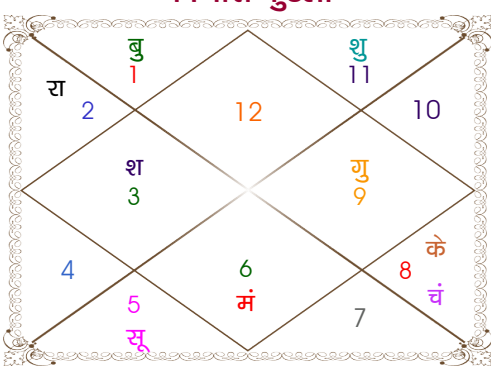

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 1 मास 1 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
01/09/1992		02/10/1992		03/10/2010		03/10/2026		02/10/2045	
02/10/1992		03/10/2010		03/10/2026		02/10/2045		03/10/2062	
	00/00/0000	राहु	15/06/1995	गुरु	20/11/2012	शनि	05/10/2029	बुध	29/02/2048
	00/00/0000	गुरु	08/11/1997	शनि	03/06/2015	बुध	15/06/2032	केतु	25/02/2049
	00/00/0000	शनि	14/09/2000	बुध	08/09/2017	केतु	24/07/2033	शुक्र	27/12/2051
	00/00/0000	बुध	03/04/2003	केतु	15/08/2018	शुक्र	23/09/2036	सूर्य	02/11/2052
	00/00/0000	केतु	21/04/2004	शुक्र	15/04/2021	सूर्य	05/09/2037	चंद्र	03/04/2054
	00/00/0000	शुक्र	22/04/2007	सूर्य	01/02/2022	चंद्र	06/04/2039	मंगल	31/03/2055
	00/00/0000	सूर्य	15/03/2008	चंद्र	03/06/2023	मंगल	15/05/2040	राहु	18/10/2057
	01/09/1992	चंद्र	14/09/2009	मंगल	09/05/2024	राहु	22/03/2043	गुरु	24/01/2060
चंद्र	02/10/1992	मंगल	03/10/2010	राहु	03/10/2026	गुरु	02/10/2045	शनि	03/10/2062

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/10/2062		02/10/2069		02/10/2089		03/10/2095		03/10/2105	
02/10/2069		02/10/2089		03/10/2095		03/10/2105		02/09/2112	
केतु	01/03/2063	शुक्र	01/02/2073	सूर्य	20/01/2090	चंद्र	02/08/2096	मंगल	02/03/2106
शुक्र	30/04/2064	सूर्य	01/02/2074	चंद्र	22/07/2090	मंगल	03/03/2097	राहु	20/03/2107
सूर्य	05/09/2064	चंद्र	03/10/2075	मंगल	26/11/2090	राहु	02/09/2098	गुरु	24/02/2108
चंद्र	06/04/2065	मंगल	02/12/2076	राहु	21/10/2091	गुरु	02/01/2100	शनि	04/04/2109
मंगल	02/09/2065	राहु	03/12/2079	गुरु	08/08/2092	शनि	04/08/2101	बुध	01/04/2110
राहु	21/09/2066	गुरु	03/08/2082	शनि	21/07/2093	बुध	03/01/2103	केतु	28/08/2110
गुरु	27/08/2067	शनि	02/10/2085	बुध	28/05/2094	केतु	04/08/2103	शुक्र	28/10/2111
शनि	05/10/2068	बुध	02/08/2088	केतु	03/10/2094	शुक्र	04/04/2105	सूर्य	04/03/2112
बुध	02/10/2069	केतु	02/10/2089	शुक्र	03/10/2095	सूर्य	03/10/2105	चंद्र	02/09/2112

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 1 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।